सतत विकास लक्ष्यों में निवेश को सुगम बनाना

संदर्भः "सतत विकास लक्ष्यों में निवेश सुविधा" UNCTAD द्वारा जारी किया गया एक नया प्रकाशन है।

मुख्य बिंदु

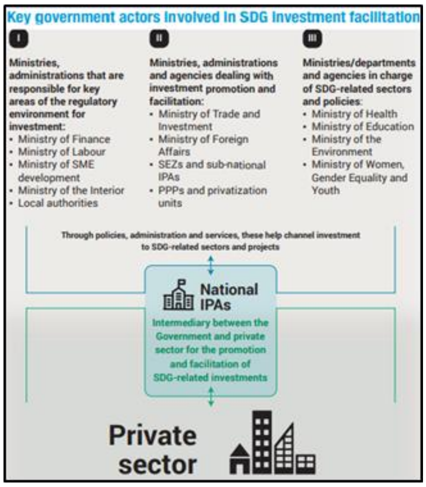

- सभी देशों के निवेशकों के लिए सक्रिय और अनुकूलित सेवाओं को लागू करके संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए वित्त पोषण को बढ़ावा देना चाहिए।
- एसडीजी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए विकासशील देशों को वार्षिक रूप से लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर की आवश्यकता होती है, जिसे विदेशी निवेश के जरिए पूरा किया जा सकता है।
- निवेश प्रोत्साहन एजेंसियां (आईपीए) विदेशी निवेश को आकर्षित करने और सुविधा प्रदान करने की सरकार की पहल के लिए केंद्रीय समन्वयक संस्थाओं के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आईपीए की भूमिका

- एसडीजी से संबंधित क्षेत्रों और निवेशक समूहों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समावेशी निवेश सुविधा सेवाएं महत्वपूर्ण हैं।
- निवेश प्रोत्साहन एजेंसियां (आईपीए) निवेशकों को उनकी परियोजनाओं के लिए संभावित भागीदारों और प्रोत्साहन कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान करके मदद कर सकती हैं।
- निवेश प्रोत्साहन एजेंसियों (आईपीए) को एसडीजी से संबंधित निवेश में शामिल स्थानीय सरकारों और राष्ट्रीय मंत्रालयों के साथ साझेदारी स्थापित करनी चाहिए।
- निवेश प्रोत्साहन एजेंसियों (आईपीए)द्वारा प्रचार और सुविधा सेवाओं के लिए अब डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है, जो कि कोविड-19 के बाद डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं के लिए आवश्यक है।

निवेश प्रोत्साहन बनाम सुविधा

- निवेश प्रोत्साहन उन संभावित निवेशकों को आकर्षित करने पर केंद्रित होता है, जिन्होंने अभी तक निवेश गंतव्य पर फैसला नहीं किया है।
- निवेश सुविधा तब शुरू होती है जब कोई निवेशक किसी स्थान में रुचि व्यक्त करता है और इसमें स्थापना-पूर्व चरण के दौरान उनकी सहायता करना शामिल है।

व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (अंकटाड)

- इसकी स्थापना 1964 में व्यापार, निवेश और विकास से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए की गई थी।
- UNCTAD विकासशील देशों को अनुसंधान, नीति विश्लेषण, तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण में सहायता प्रदान करता है।
- संगठन का लक्ष्य विकासशील देशों की जरूरतों पर ध्यान देने के साथ सभी देशों के लिए समान और सतत विकास को बढ़ावा देना है।
- UNCTAD वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और संवाद को बढ़ावा देने के लिए सम्मेलनों, अनुसंधान प्रकाशनों और पहलों का आयोजन करता है।

आईएमडी का हीट इंडेक्स

संदर्भः भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) द्वारा प्रायोगिक आधार पर हीट इंडेक्स जारी किया गया है।

- यह प्रणाली उच्च तापमान पर आर्द्रता के प्रभाव को मापती है, साथ ही इससे आभास होने वाले तापमान का भी पता चलता है। यह इंडेक्स तापमान के साथ वातावरण में कितनी गर्मी है इसे भी मापता है।
- यह इंडेक्स तापमान परिवर्तन के साथ-साथ हवा में मौजूद आर्द्रता का भी ध्यान रखता है।
- यह उच्च तापमान और आर्द्रता के कारण होने वाली असुविधा को कम करने के लिए लोंगों को अतिरिक्त सावधानियां अपनाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

प्रायोगिक ताप सूचकांक विभिन्न असुविधा स्तरों को इंगित करने के लिए रंग कोड का उपयोग करता है:

- **हरा:** प्रायोगिक ताप सूचकांक 35°C से कम।
- **पीला:** प्रायोगिक ताप सूचकांक 36-45°C की सीमा में।
- **नारंगी:** प्रायोगिक ताप सूचकांक 46-55°C की सीमा में ।
- **लाल**: प्रायोगिक ताप सूचकांक 55°C से अधिक।

- हीट इंडेक्स को पूरे देश में प्रयोगात्मक रूप से लागू किया गया है।
- ताप सूचकांक संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रीय मौसम सेवा, राष्ट्रीय समुद्री और वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) द्वारा उपयोग किए जाने वाले समीकरण के समान समीकरण का उपयोग करके प्राप्त किया जाता है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)

- भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) भारत में मौसम संबंधी टिप्पणियों, मौसम पूर्वानुमान और भूकंप विज्ञान की प्रभारी प्राथमिक एजेंसी है।
- यह पूरे भारत और अंटार्कटिका में कई अवलोकन स्टेशन संचालित करता है।
- इसके क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई, मुंबई, कोलकाता, नागपुर, गुवाहाटी और नई दिल्ली में स्थित हैं।
- आईएमडी उत्तरी हिंद महासागर क्षेत्र में मलक्का जलडमरूमध्य, बंगाल की खाड़ी, अरब सागर और फारस की खाड़ी को शामिल करते हुए उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के लिए पूर्वानुमान, नामकरण और चेतावनियों के प्रसार के लिए उत्तरदायी है।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय आईएमडी के लिए नोडल मंत्रालय के रूप में कार्य करता है।

लिंग अन्तराल और महिला सशक्तिकरण पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट

संदर्भ: हाल ही में जारी संयुक्त राष्ट्र की नवीनतम रिपोर्ट में महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता की वैश्विक स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान की गई है।

Women's Empowerment Index (WEI)	Global Gender Parity Index (GGPI)
Composite index developed by UN Women and UNDP.	Composite index assessing gender disparities in health, education, inclusion, and decision-making.
Measures women's empowerment across five dimensions: life and good health, education, skill-building and knowledge, labor and financial inclusion, participation in decision-making, and freedom from violence.	Captures women's status relative to men across various contexts and dimensions.
Reflects women's power and freedom to make choices and seize life opportunities.	Reflects the multidimensional and interrelated nature of gender equality.
Milestone in evidence-based policymaking and a baseline for monitoring progress towards SDG5 on gender equality.	Part of the global report "The Path to Equality: Women's Empowerment and Gender Parity in Human Development." Launched in July 2023.

- संयुक्त राष्ट्र महिला और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने एक संयुक्त विश्लेषण में महिला सशक्तिकरण सूचकांक (डब्ल्यूईआई) और वैश्विक लिंग समानता सूचकांक (जीजीपीआई) का उपयोग करके 114 देशों का मूल्यांकन किया गया है।
- रिपोर्ट कमियों को दूर करने और अधिक न्यायसंगत और समावेशी दुनिया को बढ़ावा देने के लिए व्यापक नीति कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।

मुख्य बिंदु:

- विश्व स्तर पर केवल 1% महिलाएँ उच्च महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता वाले देशों में रहती हैं।
- नेतृत्व की भूमिका और निर्णय-प्रक्रिया मुख्य रूप से पुरुष-प्रधान बनी हुई है, जिससे महिलाओं के लिए अवसर सीमित हो गए हैं।
- महिला सशक्तिकरण सूचकांक के अनुसार, महिलाएं अपने कार्य का औसतन 60% वेतन ही प्राप्त कर पाती हैं।
- वैश्विक लिंग समानता सूचकांक के अनुसार, मानव विकास के प्रमुख आयामों में महिलाएं पुरुषों से 28% पीछे हैं।
- विश्लेषण में शामिल 114 देशों में से किसी ने भी पूर्ण महिला सशक्तिकरण या लैंगिक समानता हासिल नहीं की।
- दुनिया भर में 90% से अधिक महिलाएँ कम या मध्यम महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता वाले देशों में रहती हैं।
- लैंगिक समानता की चुनौतियाँ अत्यधिक विकसित देशों में भी बनी हुई हैं, जहाँ 85 से अधिक देशों में महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता कम या मध्यम दिखाई देती है।

- केवल आर्थिक प्रगति लैंगिक समानता की गारंटी नहीं देती।
- मध्यम मानव विकास के बावजूद भारत में महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता कम है।
- केवल लैंगिक समानता ही महिला सशक्तिकरण सुनिश्चित नहीं करती; उच्च महिला सशक्तिकरण के लिए लैंगिक अंतर को दूर करने की भी आवश्यकता है।
- लगभग 8% महिलाएँ कम सशक्तिकरण लेकिन उच्च लिंग समानता वाले देशों में रहती हैं।

संयुक्त राष्ट्र महिला

- 2010 में स्थापित संयुक्त राष्ट्र महिला, संयुक्त राष्ट्र संघ की एक इकाई है जो लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समर्पित है।
- यह वैश्विक लैंगिक समानता मानकों को स्थापित करने में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राज्यों का समर्थन करता है और कानूनों, नीतियों, कार्यक्रमों और सेवाओं पर सहयोग करता है।
- संयुक्त राष्ट्र महिला की प्राथमिकताएं महिला नेतृत्व, आर्थिक सशक्तिकरण, हिंसा समाप्त करना और शांति एवं सुरक्षा हैं।

राज्यसभा का नियम 267 और नियम 176

सन्दर्भ: मणिपुर चर्चा के प्रारूप पर असहमति के कारण मानसून सत्र का उद्घाटन बाधित हुआ, सरकार ने नियम 176 के तहत एक छोटी अवधि की चर्चा को स्वीकार कर लिया और विपक्ष ने नियम 267 के तहत चर्चा के बाद प्रधानमंत्री के स्वत: संज्ञान वाले बयान की मांग की है।

यद्यपि विपक्ष ने चिंता व्यक्त की है कि नियम 267 के तहत उनके किसी भी नोटिस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जबकि पिछले राज्यसभा अध्यक्षों ने विभिन्न विषयों पर ऐसी चर्चा की अनुमति दी थी।

नियम	नियम 267	नियम 176
उद्देश्य	दिन के सूचीबद्ध कार्य व्यवहार से संबंधित किसी भी नियम के आवेदन को निलंबित करना और सार्वजनिक महत्व के तत्काल मुद्दे पर चर्चा करना।	अत्यावश्यक सार्वजनिक महत्व के मामले पर ढाई घंटे से अधिक की अल्पकालिक चर्चा की अनुमति देना।
प्रक्रिया	एक विपक्षी सदस्य नियम 267 के तहत नोटिस दे सकता है, जिसमें तत्काल मामले पर चर्चा करने के लिए सभी सूचीबद्ध कार्य व्यवहार को दिन के लिए निलंबित करने का अनुरोध किया जा सकता है। यदि सभापति सहमति देता है और प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है, तो राज्यसभा नियमित कामकाज को निलंबित कर सकती है और महत्वपूर्ण मुद्दे को संबोधित करने के लिए समय दे सकती है।	एक सदस्य कम से कम दो अन्य सदस्यों के हस्ताक्षर के साथ महासचिव को लिखित रूप में नोटिस दे सकता है, जिसमें वह विशिष्ट मामला बता सकता है जिसे वे उठाना चाहते हैं। अध्यक्ष, परिषद के नेता के परामर्श से, अल्पकालिक चर्चा के लिए एक तारीख और समय तय करेगा।
प्रारूप	चर्चा सभी सूचीबद्ध कार्य व्यवहार को निलंबित कर सकती है, जिससे गहन बहस के लिए समय मिल सकता है।	चर्चा समयबद्ध और ढाई घंटे तक सीमित है।
मतदान	किसी औपचारिक प्रस्ताव या मतदान की आवश्यकता नहीं है।	किसी औपचारिक प्रस्ताव या मतदान की आवश्यकता नहीं है।
उदाहरण	मणिपुर की स्थिति और सार्वजनिक महत्व के अन्य जरूरी मामलों पर चर्चा।	आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतें, चीन के साथ सीमा मुद्दे आदि पर चर्चा।

राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण

सन्दर्भ: हाल ही में एसोचैम द्वारा "वित्तीय रिपोर्टिंग और नियंत्रण: हालिया विकास और चुनौतियां" विषय पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था।

स्थापना:

- एनएफआरए का गठन 2018 में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 132 की उपधारा (1) के तहत भारत सरकार द्वारा एक वैधानिक निकाय के रूप में किया गया था।

कार्य:

- केंद्र सरकार द्वारा कंपनियों की मंजूरी के लिए लेखांकन और लेखा परीक्षा नीतियों और मानकों की सिफारिश करना।
- लेखांकन और लेखा परीक्षा मानकों की निगरानी और अनुपालन लागू करना।
- अनुपालन से संबंधित व्यवसायों की सेवा की गुणवत्ता की निगरानी करना और सुधार का सुझाव देना।
- अन्य आवश्यक या आकस्मिक कार्यों और कर्तव्यों का पालन करना।

क्षेत्राधिकार:

- एनएफआरए के पास सूचीबद्ध कंपनियों और बड़ी गैर-सूचीबद्ध सार्वजनिक कंपनियों में चार्टर्ड अकाउंटेंट और उनकी फर्मों की जांच करने का अधिकार है।
- यह सूचीबद्ध कंपनियों और गैर-सूचीबद्ध कंपनियों के ऑडिट की जांच करता है, जिनकी कुल संपत्ति 500 करोड़ रुपये से कम नहीं है या भुगतान की गई पूंजी 500 करोड़ रुपये से कम नहीं है अथवा उनका वार्षिक कारोबार ठीक पिछले वित्तीय वर्ष के 31 मार्च तक 1,000 करोड़ रुपये से कम नहीं है। इसके अतिरिक्त यह भारत के बाहर सूचीबद्ध प्रतिभूतियों वाली कंपनियों की भी जांच करता है।
- इसके अलावा केंद्र के पास उन संस्थाओं को जांच के लिए भेजने की शक्ति है जहां सार्वजनिक हित शामिल होगा। बाकी आईसीएआई द्वारा विनियमित हैं।
- चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम, 1949 में प्रदान की गई आईसीएआई की अंतर्निहित नियामक भूमिका सामान्य रूप से इसके सदस्यों के संबंध में और विशेष रूप से प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों और सार्वजनिक गैर-सूचीबद्ध कंपनियों से संबंधित ऑडिट के संबंध में अभी जारी रहेगी।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल	हाल ही में, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में एक दु:खद घटना पर प्रतिक्रिया देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। **राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल क्या है?** एनडीआरएफ राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल है, जो भारत में त्वरित एवं प्रभावी आपदा प्रतिक्रिया और राहत कार्यों के लिए एक विशेष बल है। यह गृह मंत्रालय के तहत काम करता है और खोज, बचाव एवं पुनर्वास का काम संभालता है। **स्थापना:** एनडीआरएफ की स्थापना 2006 में प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाओं पर प्रतिक्रिया देने के लिए आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत की गई थी। **विशिष्ट टीमें:** एनडीआरएफ में 12 बटालियन शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक के पास शहरी क्षेत्रों में बचाव, बाढ़ बचाव, रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु आपात स्थितियों जैसे क्षेत्रों में विशिष्ट विशेषज्ञता है।
रणजीत सागर बांध 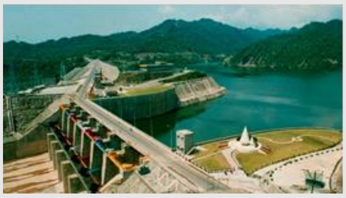	हाल ही में, रणजीत सागर बांध (आरएसडी) ने अपनी चार इकाइयों से एक ही दिन में 153.97 लाख यूनिट बिजली पैदा करके एक उल्लेखनीय रिकॉर्ड स्थापित किया है। **स्थान:** रणजीत सागर बांध, जिसे थीन बांध के नाम से भी जाना जाता है, पंजाब में रावी नदी पर स्थित है, जो पाकिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 24 किलोमीटर दूर है। **निर्माण:** रावी नदी के पानी का दोहन करने के लिए बनाए गए इस बांध का निर्माण कार्य वर्ष 2000 में पूरा हुआ। **संरचना:** यह एक कंक्रीट ग्रेविटी बांध है जिसकी ऊंचाई लगभग 162 मीटर और लंबाई लगभग 518 मीटर है। **जलाशय:** बांध एक विशाल जलाशय बनाता है जिसे रणजीत सागर झील या थीन झील कहा जाता है, जिसकी भंडारण क्षमता लगभग 0.97 बिलियन क्यूबिक मीटर है, जो विभिन्न उद्देश्यों के लिए जल प्रवाह को नियंत्रित करती है। **बिजली उत्पादन:** रणजीत सागर बांध की स्थापित क्षमता 600 मेगावाट है और हाल ही में इसकी चार इकाइयों से एक दिन में 153.97 लाख यूनिट बिजली उत्पादन का रिकॉर्ड हासिल किया है। **रावी नदी:** रावी नदी हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी हिमालय से निकलती है, भारत में पंजाब से होकर बहती है और अंततः पाकिस्तान में चिनाब नदी में मिल जाती है। इसकी कुल लंबाई लगभग 720 किलोमीटर है, जिसमें 158 किलोमीटर भारत में और 562 किलोमीटर पाकिस्तान में है। नदी को दोनों देशों की कई सहायक नदियों से पानी मिलता है।
ई-सिगरेट पोर्टल 	हाल ही में, प्रतिबंध के बावजूद जारी ई-सिगरेट की बिक्री के जवाब में, स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया। **ई-सिगरेट पोर्टल क्या है?** ई-सिगरेट पोर्टल इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट पर प्रतिबंध के उल्लंघन की रिपोर्ट करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया एक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म (www.violation-reporting.in) है। इसका उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम (पीईसीए) को सख्ती से लागू करना और नाबालिगों को संभावित स्वास्थ्य जोखिमों से बचाना है। **उद्देश्य:** पोर्टल का लक्ष्य उल्लंघनों के खिलाफ तेज कार्रवाई और ई-सिगरेट प्रतिबंध को सख्ती से लागू करना है। **ई-सिगरेट क्या है?** ई-सिगरेट हाथ में लिए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हैं जो किसी तरल को निकोटीन और रसायनों के साथ गर्म करके सांस लेने योग्य वाष्प उत्पन्न करते हैं, जो तंबाकू को जलाए बिना धूम्रपान का अनुकरण करता है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

	ई-सिगरेट में रसायन: निकोटीन, प्रोपलीन ग्लाइकोल (पीजी), वेजिटेबल ग्लिसरीन (वीजी), फ्लेवरिंग्स और अन्य एडिटिव्स। **ई-सिगरेट के उपयोग से स्वास्थ्य जोखिम:** ➢ ई-सिगरेट में मौजूद निकोटीन पारंपरिक सिगरेट की तरह ही लत लगाने वाला हो सकता है। ➢ ई-सिगरेट की निकोटीन पहुंचाने की क्षमता इसके संभावित स्वास्थ्य जोखिमों को निर्धारित करती है। ➢ निकोटीन, हालांकि कैंसरजन नहीं है, ट्यूमर के विकास को उत्तेजित कर सकता है। ➢ ई-सिगरेट और उत्सर्जन में कुछ समाधानों को WHO द्वारा "विषाक्त पदार्थ" माना जाता है। **भारत में ई-सिगरेट के उपयोग की स्थिति:** ➢ भारत ने इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अध्यादेश 2019 के माध्यम से ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। ➢ 2016-17 और 2018-19 के बीच 1,91,781 अमेरिकी डॉलर मूल्य का ई-सिगरेट आयात दर्ज किया गया। ➢ 2017 और 2018 के बीच हाई स्कूल के छात्रों में ई-सिगरेट का उपयोग 78% और मिडिल स्कूल के छात्रों में 48% बढ़ गया।
ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रेडार 	हाल ही में, वाराणसी की एक अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) का उपयोग करके "वैज्ञानिक जांच" करने का निर्देश दिया। **ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार क्या है?** ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) एक गैर-विनाशकारी भूभौतिकीय तकनीक है जो उपसतह सुविधाओं की छवि बनाने और दबी हुई वस्तुओं का पता लगाने के लिए रडार पल्स का उपयोग करती है। **सिद्धांत:** जीपीआर जमीन में विद्युत चुम्बकीय तरंगों को भेजने और उपसतह इंटरफेस से प्रतिबिंबों को रिकॉर्ड करने, मिट्टी या भौतिक गुणों में परिवर्तन का खुलासा करने के सिद्धांत पर काम करता है। **अनुप्रयोग:** जीपीआर का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है, जिसमें पुरातत्व, इंजीनियरिंग, भूविज्ञान, पर्यावरण अध्ययन और दबी हुई संरचनाओं, पाइपों, खाली स्थानों और पुरातात्विक कलाकृतियों का पता लगाने के लिए उपयोगिता का पता लगाना शामिल है। **भूवैज्ञानिक अनुप्रयोग:** जीपीआर भूवैज्ञानिक मानचित्रण, स्ट्रैटिग्राफिक परतों की पहचान करने और भूजल स्तर का आकलन करने में मदद करता है। **पुरातात्विक अनुप्रयोग:** जीपीआर पुरातात्विक स्थल को विकृत किए बिना दबी हुई प्राचीन संरचनाओं, कलाकृतियों और अचिह्नित कब्रों का पता लगाने में सहायता करता है। **उपकरण:** जीपीआर सिस्टम में एक नियंत्रण इकाई, एंटेना और डेटा प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर शामिल होते हैं। विभिन्न गहराई और रिज़ॉल्यूशन आवश्यकताओं के लिए विभिन्न एंटेना का उपयोग किया जाता है।
सीबीएसई स्कूलों में बहुभाषी शिक्षा पहल 	हाल ही में, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने 22 भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें तैयार करने की अपनी तैयारी की घोषणा की है। **एनसीईआरटी पहल:** शिक्षा मंत्रालय के निर्देशों के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) सीबीएसई स्कूलों के लिए 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें तैयार कर रही है। **उद्देश्य:** इस पहल का उद्देश्य सीबीएसई स्कूलों में अंग्रेजी के साथ-साथ भारतीय भाषाओं में शिक्षण और शिक्षा को बढ़ावा देना है। **बहुभाषी शिक्षा:** यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) दिशानिर्देशों के अनुसार बहुभाषी शिक्षा का समर्थन करता है, जो सीखने की सुविधा के लिए मातृभाषा के उपयोग पर जोर देता है। **छात्रों के लिए लाभ:** इस पहल से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों को लाभ होने की उम्मीद है, जिन्हें अपनी मातृभाषा में अवधारणाओं को समझने में अधिक आसानी हो सकती है।
जीवाणुभोजी (बैक्टीरियोफेज) 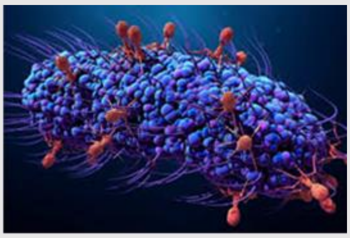	हाल ही में, वैज्ञानिक जीवाणु संक्रमण के इलाज के संभावित समाधान के रूप में, विशेष रूप से बढ़ते एंटीबायोटिक प्रतिरोध के संदर्भ में, जीवाणुभोजी की क्षमता की खोज कर रहे हैं, जिसमें बैक्टीरिया का शिकार करने और मारने की क्षमता है। **जीवाणुभोजी क्या हैं?** बैक्टीरियोफेज (जीवाणुभोजी), जिन्हें फ़ेज या बैक्टीरियल वायरस भी कहा जाता है, ऐसे वायरस हैं जो बैक्टीरिया को संक्रमित करते हैं। **खोज:** जीवाणुभोजी की खोज स्वतंत्र रूप से ग्रेट ब्रिटेन में फ्रेडरिक डब्ल्यू ट्वॉर्ट (1915) और फ्रांस में फेलिक्स डी'हेरेल (1917) द्वारा की गई थी। **जीवाणुनाशक क्षमता:** फ़ेलिक्स डी'हेरेल ने बैक्टीरियोफेज शब्द गढ़ा, जिसका अर्थ है "बैक्टीरिया खाने वाला", बैक्टीरिया को मारने की उनकी क्षमता को उजागर करता है। **किस्में:** हजारों फेज किस्में मौजूद हैं, जिनमें से प्रत्येक विशिष्ट प्रकार के बैक्टीरिया या आर्किया को लक्षित करती है। **संरचना:** फ़ेज़ की एक सरल संरचना होती है, जिसमें आनुवंशिक सामग्री (डीएनए या आरएनए) एक प्रोटीन कैप्सिड से घिरा होता है। **क्रिया तंत्र:** जीवाणुभोजी जीवाणु कोशिकाओं से जुड़ते हैं, वायरल डीएनए को इंजेक्ट करते हैं, कोशिका के अंदर दोहराते हैं, और कोशिका के फटने का कारण बनते हैं, जिससे नए वायरल कण निकलते हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

	मनुष्यों के लिए हानिरहित: जीवाणुभोजी मानव कोशिकाओं को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं, जिससे वे जीवाणु संक्रमण के इलाज के लिए एंटीबायोटिक दवाओं का एक संभावित विकल्प बन जाते हैं।
समाचार में स्थान **लुइसियाना**	हाल ही में, लुइसियाना में पुरातत्वविदों ने 12,000 साल पुरानी प्राचीन कलाकृतियों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण मिशन शुरू किया है। **कलाकृतियों की सुभेद्यता:** तूफान, बाढ़ और लूटपाट जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण पत्थर के औजारों और मिट्टी के बर्तनों सहित कलाकृतियाँ खतरे में थीं। **स्थान:** लुइसियाना संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में स्थित एक राज्य है। **राजधानी:** बैटन रूज **भूगोल:** राज्य अपने विविध भूगोल के लिए जाना जाता है, जिसमें विशेष रूप से दक्षिणी क्षेत्र में खाड़ी और दलदली भूमि शामिल हैं। **मिसिसिपी नदी:** लुइसियाना की सीमा पूर्व में मिसिसिपी नदी से लगती है, जो राज्य की अर्थव्यवस्था और परिवहन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। **बहुसांस्कृतिक विरासत:** लुइसियाना की आबादी अफ्रीकी, फ्रेंच, स्पेनिश और मूल अमेरिकी संस्कृतियों के समृद्ध मिश्रण को दर्शाती है। **तूफान कैटरीना:** लुइसियाना 2005 में तूफान कैटरीना से बुरी तरह प्रभावित हुआ था, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर विनाश हुआ और पुनर्प्राप्ति के महत्वपूर्ण प्रयास हुए।